“आदम” नाम का क्या अर्थ है ?

आदम नाम हिब्रू शब्द **‘adamah’** (□□□□□□□) से आया है, जिसका अर्थ है “मिट्टी” या “धरती”। यह नाम इस बात को दर्शाता है कि मनुष्य की उत्पत्ति धरती से हुई — क्योंकि परमेश्वर ने पहले मनुष्य को मिट्टी से रचा।

> उत्पत्ति *2:7 (HINDI-BSI)*
> तब यहोवा परमेश्वर ने भूमि की मिट्टी से मनुष्य को रचा
> और उसके नथनों में जीवन का श्वास फूंका।
> इस प्रकार मनुष्य जीवित प्राणी बन गया।

इस कार्य में दो महत्वपूर्ण सत्य प्रकट होते हैं:

- मनुष्य की शारीरिक उत्पत्ति धरती से हुई है।
- जीवन परमेश्वर का उपहार है, जो उसके श्वास (हिब्रू: *ruach*, यानी श्वास, आत्मा या वायु) से आता है।

एक नाम — पुरुष और स्त्री दोनों के लिए

बहुतों के लिए यह आश्चर्य की बात हो सकती है कि “आदम” नाम केवल पहले पुरुष के लिए नहीं था। जब परमेश्वर ने पुरुष और स्त्री दोनों को रचा, तो उन दोनों को “आदम” कहा।

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

“आदम” नाम का क्या अर्थ है ?

> उत्पत्ति *5:1–2 (HINDI-BSI)*
> यह आदम की वंशावली की पुस्तक है।
> जिस दिन परमेश्वर ने मनुष्य को रचा,
> उसे परमेश्वर के स्वरूप में बनाया।
> उसने उन्हें नर और नारी बनाया,
> उन्हें आशीष दी और उन्हें “मनुष्य” (आदम) कहा
> जिस दिन वे रचे गए।

यहाँ “आदम” शब्द संपूर्ण मानव जाति का प्रतिनिधित्व करता है। यह दर्शाता है कि पुरुष और स्त्री दोनों परमेश्वर की प्रतिमा में बनाए गए हैं (*Imago Dei*) — और दोनों को उसके उद्देश्य और आशीष में समान भागीदार बनाया गया।

आदम की विरासत : नश्वरता और उद्धार की आवश्यकता

आदम के बाद जन्मे सभी मनुष्य उसकी संतान कहलाते हैं — “आदम की संतान” — और वे उसकी भौतिक प्रकृति और पतनशील स्थिति को विरासत में पाते हैं (रोमियों 5:12)। इसलिए मृत्यु और विनाश सभी मनुष्यों का अनुभव है।

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

“आदम” नाम का क्या अर्थ है ?

> उत्पत्ति *3:19 (HINDI-BSI)*
> जब तक तू भूमि पर लौट न जाए
> तब तक तू अपने माथे के पसीने की रोटी खाएगा।
> क्योंकि तू उसी मिट्टी से लिया गया है ;
> तू मिट्टी है और मिट्टी में लौट जाएगा।

यह नश्वरता केवल शारीरिक नहीं है — यह आत्मिक भी है। आदम के द्वारा पाप संसार में आया और परमेश्वर से अलगाव हुआ। लेकिन यीशु मसीह **— दूसरा** आदम **—** के द्वारा नया जीवन संभव हुआ।

> *1* कुरिन्थियों *15:22 (HINDI-BSI)*
> क्योंकि जैसे आदम में सब मरते हैं ,
> वैसे ही मसीह में सब जीवित किए जाएंगे।

नया शरीर , नई पहचान

जो लोग मसीह में हैं , उनके लिए एक नया स्वरूप और नया शरीर दिया जाएगा। पुनरुत्थान में हमें स्वर्गीय शरीर मिलेगा — जो न पाप से भ्रष्ट होगा और न कमजोरी से ग्रसित।

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

“आदम” नाम का क्या अर्थ है ?

> *1* कुरिन्थियों *15:47-49 (HINDI-BSI)*
> पहला मनुष्य धरती का था, मिट्टी से बना;
> दूसरा मनुष्य स्वर्ग से है।
> जैसा वह मिट्टी का मनुष्य था,
> वैसे ही मिट्टी के हैं जो उसके जैसे हैं;
> और जैसा वह स्वर्गीय मनुष्य है,
> वैसे ही स्वर्गीय होंगे जो उसके जैसे हैं।
> और जैसे हमने मिट्टी वाले का स्वरूप धारण किया है,
> वैसे ही हम स्वर्गीय का स्वरूप भी धारण करेंगे।

यीशु ने यह स्पष्ट किया कि पुनरुत्थान के बाद का जीवन पूरी तरह अलग होगा — न विवाह होगा, न भौतिक इच्छाएँ। हम स्वर्गदूतों की तरह पवित्र और शाश्वत होंगे।

> मरकुस *12:25 (HINDI-BSI)*
> जब मरे हुए जी उठेंगे,
> तो न विवाह करेंगे और न विवाह में दिए जाएंगे;
> बल्कि वे स्वर्ग में स्वर्गदूतों के समान होंगे।

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

“आदम” नाम का क्या अर्थ है ?

क्या आपके पास यह स्वर्गीय शरीर की आशा है ?

यह आशा स्वतः नहीं आती। बाइबल सिखाती है कि यह परिवर्तन केवल उन्हीं को मिलेगा
जो मसीह में हैं — जिन्होंने सुसमाचार को स्वीकार किया है, पापों से मन फिराया है, और आज्ञा पालन में जीवन जी रहे हैं।

> 2 कुरिन्थियों *5:17 (HINDI-BSI)*
> इस कारण यदि कोई मसीह में है,
> तो वह नई सृष्टि है;
> पुरानी बातें बीत गई हैं — देखो,
> सब कुछ नया हो गया है।

> फिलिप्पियों *3:20–21 (HINDI-BSI)*
> परन्तु हमारी नागरिकता स्वर्ग में है,
> जहाँ से हम उद्धारकर्ता प्रभु यीशु मसीह की प्रतीक्षा करते हैं।
> वही हमारे नीच शरीर को ऐसा बदल देगा
> कि वह उसके महिमा वाले शरीर के समान हो जाए...

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

“आदम” नाम का क्या अर्थ है ?

क्या आपके पास यह आशा है ?
क्या आप इस विश्वास में जी रहे हैं कि एक दिन आपका नाशवान शरीर महिमा
से भरपूर शरीर में बदल जाएगा ?

यह आशा केवल यीशु मसीह में है — जो दूसरा और श्रेष्ठ आदम है ,
जो केवल खोया हुआ नहीं लौटाता ,
बल्कि हमें परमेश्वर के साथ अनन्त जीवन का वरदान भी देता है।

> रोमियों *6:23 (HINDI-BSI)*
> क्योंकि पाप की मजदूरी मृत्यु है ,
> परन्तु परमेश्वर का वरदान
> हमारे प्रभु यीशु मसीह में
> अनन्त जीवन है।

प्रभु आपको आशीष दे और अपनी सत्य और आशा की पूर्णता में ले चले।

Share on:
WhatsApp

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

“आदम” नाम का क्या अर्थ है ?

Print this post

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 7